

सामाजिक विज्ञान

(नागरिक शास्त्र)

अध्याय-9: जनसुविधाएँ



जीवन और स्वास्थ्य के लिए पानी आवश्यक है। न केवल यह हमारी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत पानी के अधिकार को जीवन के अधिकार का हिस्सा माना गया है।

जनसुविधाएं :- प्रत्येक व्यक्ति को बिजली, सार्वजनिक परिवहन, विद्यालय, और कॉलेज की सुविधाएं मिलनी चाहिए।

- नसुविधाओं का संबंध लोगों की मूलभूत सुविधाओं से होता है।
- पानी की तरह अन्य सुविधाएं भी हैं जिनका हर व्यक्ति के लिए इंतजाम किया जाना चाहिए।
- बिजली, सार्वजनिक परिवहन, विद्यालय और कॉलेज भी अनिवार्य चीजे हैं। इन्हें जन सुविधाएं कहा जाता है।
- किसी जनसुविधा की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह होती है कि एक बार निर्माण हो जाने के बाद उसका बहुत सारे लोग इस्तेमाल कर सकते हैं।

जीवन के अधिकार के रूप में पानी

- जीवन और स्वास्थ्य के लिए पानी आवश्यक है।
- पीने का साफ पानी न केवल हमारी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक है बल्कि यह गंदी पानी से होने वाली बहुत सारी बीमारियों को भी रोकता है।
- पानी से संबंधित बीमारियों के कारण हर रोज 1600 से भी ज्यादा भारतीय मौत के शिकार होते हैं।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत पानी के अधिकार को जीवन के अधिकार का हिस्सा माना गया है।



भारतीय संविधान :- 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को शिक्षा का अधिकार है।

सरकार की भूमिका

- जनसुविधाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकार की होती है।
- संविधान में जीवन का जो आशावासन दिया गया है वह देश के सभी लोगों को प्राप्त है इसलिए जनसुविधाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकार की होनी चाहिए।
- सरकार जब जनसुविधाएं उपलब्ध कराती है तों उससे समाज में समानता आती है।
- निजी कंपनियां जनसुविधाएं तभी उपलब्ध कराती है जब उसे कुछ मुनाफा हो।

चेन्नई में पानी की आपूर्ति :- जनसुविधाएँ सभी को मुहैया होनी चाहिए लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है।

पानी की उपलब्धता के अलावा कुछ ही लोगों की ' सुरक्षित ' पेयजल तक पहुँच है।

यह स्थिति ' पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने ' के लक्ष्य से बहुत दूर है।

निजी कंपनियाँ :- पानी की कमी ने मुनाफे के लिए नए रास्ते खोल दिए हैं। 13,000 से भी ज्यादा टैंकर इस काम में लगे हुए हैं।

विकल्पों की तलाश

नगरपालिका की जलापूर्ति में कमी से निपटने के लिए निजी कंपनियां ज्यादा से ज्यादा इलाकों में फैलती जा रही हैं।

शहरी इलाकों में प्रतिव्यक्ति लगभग 135 लीटर पानी प्रतिदिन मिलन चाहिए।

लेकिन झुग्गी बस्तियों में लोगों को रोजाना प्रतिव्यक्ति 20 लीटर पानी भी नहीं मिलता।

दूसरी तरफ आलीशान होटलों में रहने वाले लोगों को रोजाना प्रतिव्यक्ति 1600 लीटर तक मिलता है।

नगरपालिका के जरिए जलापूर्ति में कमी हो अक्सर सरकार की नाकामयाबी मानी जाती है।

2011 के सरकारी आँकड़े

भारत के 87 प्रतिशत परिवारों के पास पेयजल की सुविधा उपलब्ध हैं।

घर के भीतर शौचालय 53 प्रतिशत परिवारों में ही उपलब्ध हैं।

44 प्रतिशत ग्रामीण घरों में बिजली पहुँच चुकी है।

कंपनी :- कंपनी एक तरह की व्यावसायिक संस्था होती है जिसकी स्थापना कुछ लोग या सरकार करती है।

निजी कंपनी

निजी कंपनी कम से कम दो और अधिकतम पचास सदस्यों का स्वैच्छिक संघ है, जिनका दायित्व सीमित होता है, जिनके शेयरों का अंतरण इसके सदस्यों तक सीमित होता है, जो साधारण जनता को इसके शेयर या डिबेन्चरों का ग्राहक बनने के लिए आमंत्रित करने के निमित्त अनुमन नहीं है।

कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार निजी कंपनी में कम से कम 2 तथा अधिकतम 200 व्यक्तियों तक सदस्य हो सकते हैं।

निजी कंपनी



SHIVOM CLASSES
8696608541

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 118)

प्रश्न 1 आपको ऐसा क्यों लगता है कि दुनिया में निजी जलापूर्ति के उदाहरण कम हैं ?

उत्तर - पानी जीवन तथा स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। जन सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार का एक महत्वपूर्ण कार्य है। जलापूर्ति करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार जलापूर्ति के लिए कुछ धन प्राप्त करती है। परंतु सरकार द्वारा लिया जाने वाला शुल्क निजी कंपनियों के मुकाबले बहुत कम है। विश्व में जहां जलापूर्ति का कार्य निजी कंपनियों को दिया गया, वहां पर इसकी कीमतों में अचानक बहुत वृद्धि हुई। जिसको देना कई लोगों की क्षमता से बाहर हो गया। बोलीविया में इसके कारण दंगे तथा विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके कारण सरकार ने जलापूर्ति की जिम्मेदारी निज कंपनी से लेकर स्वयं ले ली।

प्रश्न 2 क्या आपको लगता है कि चेन्नई में सबको पानी को सुविधा उपलब्ध है और वे पानी का खर्च उठा सकते हैं ? चर्चा करें।

उत्तर - चेन्नई में पानी की बहुत कमी है, सभी लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध नहीं होता। जो अफसर चेन्नई के अन्ना नगर में रहते हैं उन जैसे क्षेत्रों में पानी की कमी नहीं है। परंतु अधिकांश क्षेत्रों में पानी की कमी है। मैलापुर क्षेत्र में नगरपालिका दो दिन में एक बार पानी उपलब्ध कराती है। बहुत से लोग अपने कार्यों को पूरा करने लिए टैंकरों से पानी खरीदते हैं, जिसके लिए उन्हें महीने में 500-600 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। मडीपाक्कम में तो चार दिन में एक बार पानी मिलता है। यहां के लोग पानी की बोतलें खरीद कर अपना गुजारा चलाते हैं। परंतु लोग ये बोतलें भी नहीं खरीद पाते, गर्मियों में तो पानी इतना कम हो जाता है कि कई परिवारों को पानी मिल ही नहीं पाता, उन्हें पानी के टैंकरों का कई घंटे इंतजार करना पड़ता है।

प्रश्न 3 किसानों द्वारा चेन्नई के जल व्यापारियों को पानी बेचने से स्थानीय लोगों पर क्या असर पड़ रहा है ? क्या आपको लगता है कि स्थानीय लोग भूमिगत पानी के इस दोहन का विरोध कर सकते हैं ? क्या सरकार इस बारे में कुछ कर सकती है ?

उत्तर - चेन्नई में पानी की समस्या बहुत अधिक है। नगरपालिका सभी लोगों को पानी उपलब्ध नहीं करा पाती। जिसके कारण यह जिम्मेदारी निजी कंपनियों ने अपने हाथों में ले ली थी। ये

कंपनियां समीप के गाँवों से पानी खरीदकर शहरों में बेचती हैं। कंपनियां किसानों को पैसे देकर उनकी ज़मीन से पानी निकालती है। जिसकी वजह से कुछ मामले में पानी की कीमत में भारी इज़ाफ़ा हुआ। इस कारण बहुत सारे लोगों के लिए पानी का खर्चा उठाना संभव नहीं हो पाया। इसलिए लोगों ने विरोध किए, विशाल प्रदर्शन हुए। बोलीविया आदि देशों में तो दंगे भी फैल गए जिसके दबाव में सरकार को जलापूर्ति व्यवस्था निजी कंपनियों के हाथों से छीनकर दोबारा अपने हाथों में लेनी पड़ी।

प्रश्न 4 ऐसा क्यों है कि ज्यादातर निजी अस्पताल और निजी स्कूल कस्बों या ग्रामीण इलाकों की बजाय बड़े शहरों में ही हैं ?

उत्तर - हमारी सरकार का यह कर्तव्य होता है कि वह लोगों को शिक्षा देना तथा उनके स्वास्थ्य की देखभाल पड़ता अपना परम कर्तव्य समझे। सरकार से पहले निजी कंपनियां ये सब सुविधाएं बड़े शहरों में उपलब्ध करा रही हैं। ग्रामीण की अपेक्षा बड़े - बड़े शहरों में बड़े - बड़े स्कूल एवं अस्पताल खुल रहे हैं। स्कूल दिल्ली, बंबई, कोलकाता, चेन्नई, चंडीगढ़, गुड़गांव तथा हैदराबाद जैसे बड़े शहरों में खुल रहे हैं। बड़े स्कूल तथा अस्पताल बड़े शहरों इसलिए खुलते हैं। क्योंकि इन शहरों में बड़े समृद्ध एवं अमीर लोग रहते हैं जो अधिक पैसा खर्च करने में सक्षम हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग गरीब होते हैं। जो अधिक पैसा खर्च नहीं कर पाते तथा वे लोग अस्पताल तथा स्कूल की फीस अदा नहीं कर सकते। यही कारण है कि ज्यादातर निजी अस्पताल और निजी स्कूल कस्बों या ग्रामीण इलाकों की बजाय बड़े शहरों में ही हैं।

प्रश्न 5 क्या आपको लगता है कि हमारे देश में जनसुविधाओं का वितरण पर्याप्त और निष्पक्ष है ? अपनी बात के समर्थन में एक उदाहरण दें।

उत्तर - सरकार का एक महत्वपूर्ण कार्य होता है कि सबसे पहले उन्हें यह देखना चाहिए कि उनके द्वारा दी गई जनसुविधा क्या लोगों तक सार्थक रूप में पहुंची हुई है, अगर नहीं तो ये जनसुविधाएं लोगों को उपलब्ध कराए। लेकिन इस मोर्चे पर संतोषजनक प्रगति नहीं हुई है। हमें आपूर्ति में कमी और वितरण में भारी असमानता दिखाई देती है। महानगरों और बड़े शहरों के मुकाबले कस्बों और गांवों में तो इन सुविधाओं की स्थिति और भी खराब है। संपन्न बस्तियों के मुकाबले गरीब बस्तियों में सेवाओं की स्थिति कमजोर है। कहीं बिजली की कमी है तो कहीं पानी की बूंदों के लिए भी लोग तरस जाते हैं। कहीं लोग पानी को व्यर्थ बहाते हैं। सड़के अच्छी न होने के कारण दुर्घटनाएं होती

है। इसलिए किसी भी समाधान में इस महत्वपूर्ण तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि देश के प्रत्येक नागरिक को इन सुविधाओं को पाने का अधिकार है और उसे ये सुविधाएं समतापरक ढंग से मिलनी चाहिए।

प्रश्न 6 अपने इलाके की पानी, बिजली आदि कुछ जनसुविधाओं को देखें। क्या उनमें सुधार की कोई गुंजाइश है ? आपकी राय में क्या किया जाना चाहिए ? इस तालिका को भरें।

	क्या यह उपलब्ध है ?	उसमें कैसे सुधार लाया जाए ?
पानी		
बिजली		
सड़क		
सार्वजनिक परिवहन		

उत्तर -

	क्या यह उपलब्ध है ?	उनमें कैसे सुधार लाया जाए ?
पानी	पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, परन्तु बस्तियों की तरफ इसकी कमी है।	सार्वजनिक नलके और नल लगवाने चाहिए।
बिजली	बिजली की कमी नहीं है।	झुग्गी बस्तियों में बिजली का कोई सार्वजनिक प्रबंध करना चाहिए।
सड़क	सड़कों की व्यवस्था कहीं कहीं खराब है	सड़कों की निरंतर मरम्मत होनी चाहिए।
सार्वजनिक परिवहन	सार्वजनिक परिवहन अपर्याप्त है।	बसों, रिक्शा की हर रुट पर व्यवस्था की जानी चाहिए।

प्रश्न 7 क्या आपके इलाके के सभी लोग उपरोक्त जनसुविधाओं का समान रूप से इस्तेमाल करते हैं ? विस्तार से बताएँ ।

उत्तर - हां, निष्पक्ष रूप से हमारे इलाके में सभी जनसुविधाओं का सामान रूप से इस्तेमाल करते हैं तथा कहीं कोई भी किसी चीज की आपूर्ति कम लगे तो इलाके के नगर निगम के अधिकारी को सूचित किया जाता है।

प्रश्न 8 जनगणना के साथ-साथ कुछ जनसुविधाओं के बारे में भी आँकड़े इकट्ठा किए जाते हैं। अपने शिक्षक के साथ चर्चा करें कि जनगणना का काम कब और किस तरह किया जाता है।

उत्तर - जनगणना का कार्य सरकारी कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। जनगणना प्रत्येक 10 वर्ष पश्चात की जाती है। यह कार्यवाही प्रत्येक व्यक्ति के घर-घर जाकर की जाती है। जिसमें यह पता किया जाता है कि घर में कुल कितने सदस्य हैं, उस जगह की जनसंख्या कितनी हुई। महिलाओं, पुरुषों, बच्चों की संख्या का क्या अनुपात है तथा जिस भी प्रकार की सुविधाएं सरकार द्वारा दी जाती हैं उसकी लोगों तक कितनी पहुँच है। 2011 की जनगणना के अनुसार कुछ जनसुविधाओं से सम्बन्धित आँकड़े भी इकट्ठे किए गए। जिसमें पता लगा कि भारत की जनसंख्या 121 करोड़ है। लगभग 68% लोगों तक पानी पहुँचता है और 36% लोगों को ही सफाई की सुविधा प्राप्त है।

प्रश्न 9 हमारे देश में निजी शैक्षणिक संस्थान - स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण - बड़े पैमाने पर खुलते जा रहे हैं। दूसरी तरफ सरकारी शिक्षा संस्थानों का महत्व कम होता जा रहा है। आपकी राय में इसका क्या असर हो सकता है ? चर्चा कीजिए।

उत्तर - हमारे देश में निजी शैक्षणिक संस्थान खुलते जा रहे हैं, जबकि सरकारी शिक्षा संस्थानों का महत्व कम होता जा रहा है। आने वाले समय में इसका असर यह होगा कि शिक्षा बहुत अधिक महंगी हो जाएगी क्योंकि ज्यादातर बच्चों निजी शैक्षणिक संस्थान की ओर ही बढ़ रहें हैं, जिसके कारण गरीब लोग इससे वंचित हो जाएंगे। वे पहले से ही बच्चों को मुश्किल से पढ़ा पाते हैं। शिक्षा से वंचित होने के कारण समाज में सामाजिक, आर्थिक अंतर बढ़ता जायेगा जो समाज में टकराव का कारण बनेगा।